

प्रेषक,

डा० अजय कुमार प्रद्योत,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,
सिंचाई विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

सिंचाई अनुभाग

देहरादून : दिनांक 02 ~~अक्टूबर~~ 2013

विषय: वित्तीय वर्ष 2013-14 में नाबार्ड वित्त पोषित योजना के अन्तर्गत RIDF- XIV, XV, XVI, XVII एवं XVIII में निर्माणाधीन योजनाओं पर धनावंटन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-7996/मु0अ0वि0/बजट/बी-1, सामान्य, दिनांक 31.10.2013 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि सिंचाई विभाग के अन्तर्गत नाबार्ड की ट्रैन्च RIDF- XIV, XV, XVI, XVII एवं XVIII में निर्माणाधीन नलकूप, नहर व लिफ्ट योजनाओं हेतु धनराशि ₹ 4108.027 लाख (₹ इक्तालीस करोड़ आठ लाख दो हजार सात सौ मात्र) संलग्नक-1 में वर्णित अनुदान/लेखाशीर्षकों के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 में व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर निम्न प्रतिबन्धों के अधीन रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (i) उपरोक्त धनराशि का व्यय केवल नाबार्ड द्वारा उक्त ट्रैन्चवार स्वीकृत की गयी योजनाओं पर ही किया जायेगा। धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे। जहां कहीं आवश्यक हो यथावश्यकता सक्षम अधिकारी/शासन की स्वीकृति व्यय से पूर्व प्राप्त कर ली जाय।
- (ii) स्वीकृत की जा रही धनराशि का प्रतिपूर्ति दावा व उपयोगिता प्रमाण-पत्र यथाशीघ्र शासन/वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जायेगा।
- (iii) उक्त धनराशि का उपयोग नाबार्ड की गाइड लाइन्स का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए आवश्यकता एवं मितव्ययता का ध्यान रखते हुए किया जाय। निर्माण कार्यों की पी0सी0आर व वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण शासन एवं नाबार्ड को भी उपलब्ध कराई जाय।
- (iv) उक्त व्यय में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 तथा शासन द्वारा मितव्ययता के विषय में समय-समय पर जारी किये गये आदेशों एवं निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाय।
- (v) निर्माण कार्यों में भूकम्प निरोधी तकनीकी का प्रयोग किया जाय।
- (vi) आवश्यकतानुसार भूगर्भ वैज्ञानिक/ज्योलोजिस्ट से आवश्यक सहमति प्राप्त की जाय।
- (vii) स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय एवं उपयोगिता के सम्बन्ध में आवश्यक प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर प्रत्येक माह के अन्त में नियमानुसार महालेखाकार एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाय।
- (viii) धनराशि का कोषागार से आहरण आवश्यकता से अधिक किसी भी दशा में नहीं किया जायेगा।
- (ix) स्वीकृत की जा रही धनराशि के आहरण से पूर्व यह अवश्य सुनिश्चित कर लिया जाय कि योजनायें नाबार्ड द्वारा पूर्व में स्वीकृत की जा चुकी हैं। यदि बिना अनुमोदित योजना पर धनराशि व्यय की जायेगी तो उसका समस्त उत्तरदायित्व विभागाध्यक्ष का ही होगा।

क्रमशः.....2

- (x) कार्य की गुणवत्ता समयबद्धता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता उत्तरदायी होंगे।
- (xi) विभागाध्यक्ष के निस्तारण पर जो धनराशि रखी जा रही है वह उनके द्वारा आहरण एवं वितरण अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाए, जिससे क्षेत्रीय स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न हो।
- (xii) मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष द्वारा आहरण एवं वितरण अधिकारियों तथा कोषाधिकारियों को अवमुक्त धनराशि का विवरण प्रतिमाह बी0एम0-10 पर शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।
- (xiii) इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 के आय-व्यय की अनुदान संख्या 20 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 4700 मुख्य सिंचाई पर पूँजीगत परिव्यय में संलग्नक-1 में उल्लिखित लेखाशीर्षकों के अन्तर्गत 24 वृहत् निर्माण कार्य में सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

2. यह आदेश वित्त विभाग के अ0शा0 संख्या-804/XXVII/(1)/13 दिनांक- 26 नवम्बर, 2013 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्न यथोपरि।

भवदीय,

(डा0 अजय कुमार प्रद्योत)
सचिव।

संख्या-3388. (1) / 11-2013-04(28) / 03, टी0सी0, तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :

- 1- महालेखाकार (ऑडिट) उत्तराखण्ड वैभव पैलेस सी-1/105, इन्दिरानगर, देहरादून।
- 2- महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 3- निदेशक, राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
- 4- आयुक्त गढ़वाल मण्डल पौड़ी/कुमाँऊ मण्डल, नैनीताल।
- 5- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 6- समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 7- वित्त अनुभाग-1 एवं वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
- 8- नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 9- बजट निदेशालय, उत्तराखण्ड शासन।
- 10- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड, 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
- 11- गार्ड फाईल।

संलग्न : यथोक्त।

आज्ञा से,

(सुनीलश्री पांथरी)
संयुक्त सचिव।

शासनादेश संख्या: 3388

/ 11-2013-04(01)/2011, दिनांक 02 दिसम्बर, 2013

का संलग्नक।

क्र० सं०	योजना का लेखाशीर्षक	बजट प्राविधान (मूल + अनुपूरक)	पूर्व में अवमुक्त धनराशि	अवमुक्त की जा रही धनराशि
1	2	3	4	6
1	अनुदान संख्या-20 लेखाशीर्षक 4700-मुख्य सिंचाई पर पूँजीगत परिव्यय-04-नलकूपों का निर्माण -800-अन्य व्यय-02-अन्य रख-रखाव व्यय-0201-नाबार्ड (आरआईडीएफ 8 योजना)-24 वृहत् निर्माण कार्य	8000.00	4731.289	2908.231
2	4700-मुख्य सिंचाई पर पूँजीगत परिव्यय -06-निर्माणाधीन सिंचाई नहरें/अन्य योजनायें-800-अन्य व्यय -02-अन्य रख-रखाव व्यय- 0202-नाबार्ड वित्त पोषित नहरों का निर्माण-24-वृहत् निर्माण कार्य	10405.40	4076.844	1070.366
3	4700-मुख्य सिंचाई पर पूँजीगत परिव्यय-07-उत्तरांचल की लघुडाल नहरों का पुनरोद्धार-800 अन्य व्यय-02-अन्य रख-रखाव व्यय-0203-नाबार्ड वित्त पोषित नहरों का निर्माण-24-वृहत् निर्माण कार्य	300.00	106.42	129.43
	योग	18705.40	8914.553	4108.027

(सुनीलश्री पांथरी)
संयुक्त सचिव।